पाठ्यक्रम: हिन्दी

I. हिन्दी भाषा और उसका विकास

- अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, भाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियां- वर्गीकरण तया क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।
- हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।
- हिन्दी भाषा- प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी।

II. हिन्दी साहित्य का इतिहास

- हिन्दी साहित्य का इतिहास - दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की पद्धतियाँ।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केंद्र, संस्थाएं एवं पत्र-पत्रिकाएं, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल- हिन्दी साहित्य का आरंभ कब और कैसे? रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।
- मध्यकाल- भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण तथा सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांकृतिक पृष्ठभूमि, अवतार संत, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त:प्रादेशिक वैशिष्ट्य।
- हिन्दी संत काव्य- संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, संत काव्य की प्रमुख विशेषताएं, भारतीय धर्म साधना में संत कवियों का स्थान।
- हिन्दी सूफी काव्य- सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य-मुल्ला दाऊद(चंदायन), कुतुबन(मृगावाती), मंझन(मधुमालती), मालिक मुहम्मद

जायसी (पदमावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

- हिन्दी कृष्ण काव्य- विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा, और हिन्दी कृष्ण काव्य-मीरा और रसखान।
- हिन्दी राम काव्य- विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियां, काव्य रूप और उनका महत्त्व।
- रीति काल- सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीति काल के मूल स्त्रोत, रीति काल की प्रमुख प्रवृतियां, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीति काल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द, और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन।
- आधुनिक काल- हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास।
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य , 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध की हिन्दी पत्रकारिता।
- द्विवेदी युग- महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।
- छायावाद और उसके बाद- छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि- प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी,
- उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि,
- समकालीन कविता.

III. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

- हिन्दी उपन्यास- प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार: जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रासाद द्विवेदी , यशपाल, अमृतपाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी।
- हिन्दी कहानी- बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन।
- समकालीन युवा कहानी

- हिन्दी नाटक- हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियां- अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे।
- हिन्दी निबंध- हिन्दी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार- रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसांई एवं अन्य प्रमुख निबंधकार।
- हिन्दी आलोचना- हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक- रामचंद्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह एवं अन्य प्रमुख समकालीन आलोचक।
- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं- रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।
- हिन्दी के समकालीन प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएं(कविता, कहानी और अन्य साहित्यिक गद्य विधाएँ)

IV. काव्यशास्त्र और आलोचना

- भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार।
- रस के अवयव।
- साधारणीकरण।
- शब्द शक्तियां और ध्वनि का स्वरूप।
- रीति, गुण, दोष।
- स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।